DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

13 February, 2024

फ्लोर टेस्ट (विश्वास मत)

संदर्भ: *बिहार में चल रहे लगातार सियासी परिवर्तन के दौरान कल बिहार विधानसभा में फ्लोर टेस्ट (विश्वास मत पारित) हुआ.*

➢ **बिहार राजनीतिक परिदृश्य:**

- बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी नई सरकार में बिहार के विधायकों के विश्वास को प्रदर्शित करने वाले हुए फ्लोर टेस्ट (विश्वास मत) को जीत लिया है।
- विदित हो कि,सत्तारूढ़ महागठबंधन दो सप्ताह पहले भंग हो गया था, जिसमें नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड), उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) और कांग्रेस पार्टी संयुक्त रूप से शामिल थी।
- श्री नीतीश कुमार ने भाजपा के साथ पुनः गठबंधन बनाया, इस्तीफा दिया और फिर अपने नए मंत्रिमंडल सदस्यों के साथ दुबारा शपथ ली।

➢ **फ्लोर टेस्ट क्या है?**

- फ्लोर टेस्ट, जिसे 'विश्वास मत' के रूप में भी जाना जाता है, यह निर्धारित करता है, कि सदस्यों के बीच वोट के माध्यम से एक संदिग्ध अल्पसंख्यक सरकार, अभी भी विधायी निकाय का विश्वास रखती है या नहीं।
- सत्र की स्थिति या परिस्थितियों के आधार पर स्पीकर या राज्यपाल फ्लोर टेस्ट के लिए आमंत्रित कर सकते हैं।
- वर्ष 2020 में, सुप्रीम कोर्ट ने प्रथम दृष्टया सरकार के बहुमत खोने का आभास होने पर फ्लोर टेस्ट बुलाने की स्पीकर की शक्तियों को बनाए रखा था।

➢ **फ्लोर टेस्ट की प्रक्रिया:**

- फ्लोर टेस्ट की प्रक्रिया में बहुमत का दावा करने वाला नेता विश्वास मत पेश करता है, जिसके लिए सरकार को बनाए रहने के लिए वर्तमान और मतदान करने वाले सदस्यों के बीच बहुमत की आवश्यकता होती है।
- मतदान के तरीकों में ध्वनि मत, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग या वोटों का भौतिक विभाजन आदि प्रक्रियाएं शामिल है।
- गठबंधन की सरकार में मतभेद की स्थिति में राज्यपाल मुख्यमंत्री से बहुमत साबित करने की मांग कर सकते हैं।

➢ **कंपोजिट फ्लोर टेस्ट:**

- यह तब आयोजित किया जाता है जब कई दल सरकार बनाने का दावा करते हैं और बहुमत स्पष्ट नहीं होता है।
- बहुमत का निर्धारण ध्वनि या विभाजन मतदान के माध्यम से उपस्थित और मतदान करने वालों के आधार पर किया जाता है।
- बराबरी की स्थिति में स्पीकर निर्णायक वोट दे सकता है।

➢ **बिहार का फ्लोर टेस्ट:**

- श्री नीतीश कुमार ने गठबंधन के मुद्दों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया था और एक नया गठबंधन बनाया।
- इस समय राष्ट्रीय जनता दल 79 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी है, उसके बाद भारतीय जनता पार्टी 78 सीटों के साथ, जनता दल यूनाइटेड 45 सीटों के साथ और कांग्रेस 19 सीटों के साथ बिहार में चुनाव लड़ती है।
- 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में बहुमत के लिए कम से कम 122 सीटों की आवश्यकता होती है। एनडीए सरकार का दावा है कि उसके पास 128 सदस्यों के साथ बहुमत है, जबकि महागठबंधन के पास केवल 114 सदस्य हैं।

➢ **फ्लोर टेस्ट के लिए संवैधानिक प्रावधान:**

- संविधान का अनुच्छेद 174 राज्यपाल को राज्य विधान सभा को बुलाने, भंग करने और स्थगित करने का अधिकार देता है।
- अनुच्छेद 174(2)(b) राज्यपाल को मंत्रिमंडल की सलाह पर विधानसभा को भंग करने का अधिकार देता है। हालाँकि, यदि मुख्यमंत्री के बहुमत पर संदेह है, तो राज्यपाल अपने विवेक का उपयोग कर सकते हैं।
- अनुच्छेद 175(2) के अनुसार, राज्यपाल सदन बुला सकते हैं और सरकार की संख्यात्मक ताकत का पता लगाने के लिए फ्लोर टेस्ट शुरू करा सकते हैं।
- संविधान के अनुच्छेद 163 के अनुसार, राज्यपाल मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली मंत्रिपरिषद की सलाह पर कार्य करता है।
- विधायी सत्र के दौरान, अध्यक्ष के पास शक्ति परीक्षण बुलाने का विशेषाधिकार होता है। हालाँकि, यदि विधानसभा सत्र में नहीं है, तो राज्यपाल फ्लोर टेस्ट आयोजित करने के लिए अनुच्छेद 163 के तहत अवशिष्ट शक्तियों का उपयोग कर सकते हैं।

महामारी रोग अधिनियम, 1897 पर विधि आयोग की रिपोर्ट

संदर्भ: *भारत के 22वें विधि आयोग ने भारत सरकार को "महामारी रोग अधिनियम, 1897 की एक व्यापक समीक्षा" शीर्षक से अपनी रिपोर्ट संख्या 286 सौंपी है।*

➢ **महामारी योजना और मानक संचालन प्रक्रिया:**

- 286वीं विधि आयोग की रिपोर्ट भविष्य की महामारियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए एक महामारी योजना और मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर देती है।
- यह महामारी के दौरान केंद्र, राज्यों और स्थानीय अधिकारियों की शक्तियों के बीच स्पष्ट चित्रण की वर्तमान कमी पर को चिन्हित करता है, जिसके परिणामस्वरूप उत्पन्न प्रतिक्रियाओं के कारण रोगों के प्रभावी प्रबंधन में बाधा उत्पन्न है।
- महामारी योजना की परिकल्पना; सरकार और हितधारकों के विभिन्न स्तरों की शक्तियों और जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करके सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थितियों के लिए समन्वित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए की गई है।

➢ **महामारी रोग अधिनियम, 1897 (EDA) की सीमाएँ:**

- यह रिपोर्ट महामारी रोग अधिनियम, 1897 (EDA) की आलोचनात्मक मूल्यांकन करती है, जो संक्रामक रोगों से उत्पन्न आधुनिक चुनौतियों से निपटने में इसकी अपर्याप्तता को उजागर करती है।
- साथ ही साथ यह इंगित करता है कि ईडीए, औपनिवेशिक युग का अवशेष होने के नाते, संक्रामक रोगों के प्रसार से संबंधित समकालीन मुद्दों को पर्याप्त रूप से संबोधित करने में विफल है, विशेषकर वैश्वीकरण और बढ़ी हुई वैश्विक कनेक्टिविटी के संदर्भ में।
- इस रिपोर्ट में ईडीए के दुरुपयोग की संभावना और महामारी प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर व्यापक दिशानिर्देशों की कमी, पर्याप्त संशोधनों या नए कानून के अधिनियमन की सिफारिश पर भी ध्यान दिया गया है।

➢ **आवश्यक सुधार के लिए सिफ़ारिशें:**

- विधि आयोग इस बात को सुनिश्चित करने के लिए ईडीए में संशोधन का प्रस्ताव करता है, कि यह संक्रामक रोगों से उत्पन्न वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों से निपटने में सदैव प्रासंगिक और प्रभावी बना रहे।
- यह संगरोध, अलगाव, लॉकडाउन और अन्य उपायों पर स्पष्ट दिशानिर्देशों के साथ-साथ महामारी योजना की तैयारी, प्रवर्तन और आवधिक संशोधन को अनिवार्य करने के लिए ईडीए में प्रावधानों को शामिल करने का सुझाव देता है।
- इसके अतिरिक्त, यह रिपोर्ट महामारी प्रबंधन के अन्य आवश्यक पहलुओं के बीच गोपनीयता-अनुकूल रोग निगरानी, चिकित्सा आपूर्ति के विनियमन, सार्वजनिक सूचना के प्रसार और संक्रामक कचरे के सुरक्षित निपटान के प्रावधानों की भी सिफारिश करता है।

➢ **विधि आयोग:**

- भारत का विधि आयोग कानूनी सुधारों के लिए काम करने हेतु भारत सरकार द्वारा स्थापित एक कार्यकारी निकाय है।
- यह कानून और न्याय मंत्रालय के लिए एक सलाहकार निकाय के रूप में कार्य करता है, जिसमें मुख्य रूप से कानूनी विशेषज्ञ शामिल होते हैं।

➢ **विधि आयोग के कार्य:**

- यह आयोग सरकारी संदर्भ या स्वत: संज्ञान पर सुधारों और नए कानूनों के लिए भारत में मौजूदा कानूनों पर शोध और समीक्षा करता है।
- प्रक्रियात्मक देरी और मुकदमेबाजी की लागत को कम करने के उद्देश्य सेविधि आयोग, न्याय वितरण प्रणालियों में सुधार के लिए अध्ययन करता है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

- यह अप्रचलित कानूनों की पहचान करता है और उन्हें निरस्त करने की सिफारिश करता है साथ ही गरीबी उन्मूलन को प्रभावित करने वाले कानूनों की जांच भी करता है।
- निदेशक सिद्धांतों को लागू करने और संवैधानिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए नए कानून का प्रस्ताव करता है।
- यह आयोग सरकार द्वारा संदर्भित कानूनी और न्यायिक प्रशासन मामलों पर सलाह देता है।
- यह सरकार के अनुरोध के अनुसार विदेशी देशों को अनुसंधान सहायता प्रदान करता है।
- यह लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए कानूनों की समीक्षा करता है और संशोधन का सुझाव देता है।
- यह खाद्य सुरक्षा और बेरोजगारी पर वैश्वीकरण के प्रभाव की जांच करता है, हाशिए पर रहने वाले समुदायों के लिए उपायों की सिफारिश करता है।
- विभिन्न कानूनी मुद्दों और शोध निष्कर्षों पर प्रभावी उपायों का प्रस्ताव करते हुए यह आयोग केंद्र सरकार को समय-समय पर रिपोर्ट प्रस्तुत करता है। साथ ही आवश्यकतानुसार केंद्र सरकार द्वारा सौंपे गए अतिरिक्त कार्य करता है।
- विधि आयोग राज्यों और केंद्र सरकार के बीच के मतभेद को कम करने के लिए, वर्तमान रिपोर्ट एक सुसंगत और एकीकृत प्रतिक्रिया सुनिश्चित करती है। साथ ही साथ महामारी के प्रत्येक चरण में विभिन्न हितधारकों की भूमिकाओं और शक्तियों को रेखांकित करते हुए एक मानक संचालन प्रक्रिया के निर्माण की सिफारिश करती है।

अटलांटिक मेरिडियनल ओवरटर्निंग सर्कुलेशन (एएमओसी)

संदर्भ: *वैश्विक जलवायु और मौसम पैटर्न को विनियमित करने के लिए महत्वपूर्ण एक महत्वपूर्ण महासागरीय वर्तमान प्रणाली इस सदी में काम करना बंद कर सकती है, संभवतः पहले की अपेक्षा से पहले।*

➢ पृष्ठभूमि:

- अटलांटिक मेरिडियनल ओवरटर्निंग सर्कुलेशन (एएमओसी) एक प्रमुख महासागरीय धारा प्रणाली है, जो वैश्विक जलवायु और मौसम पैटर्न को विनियमित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

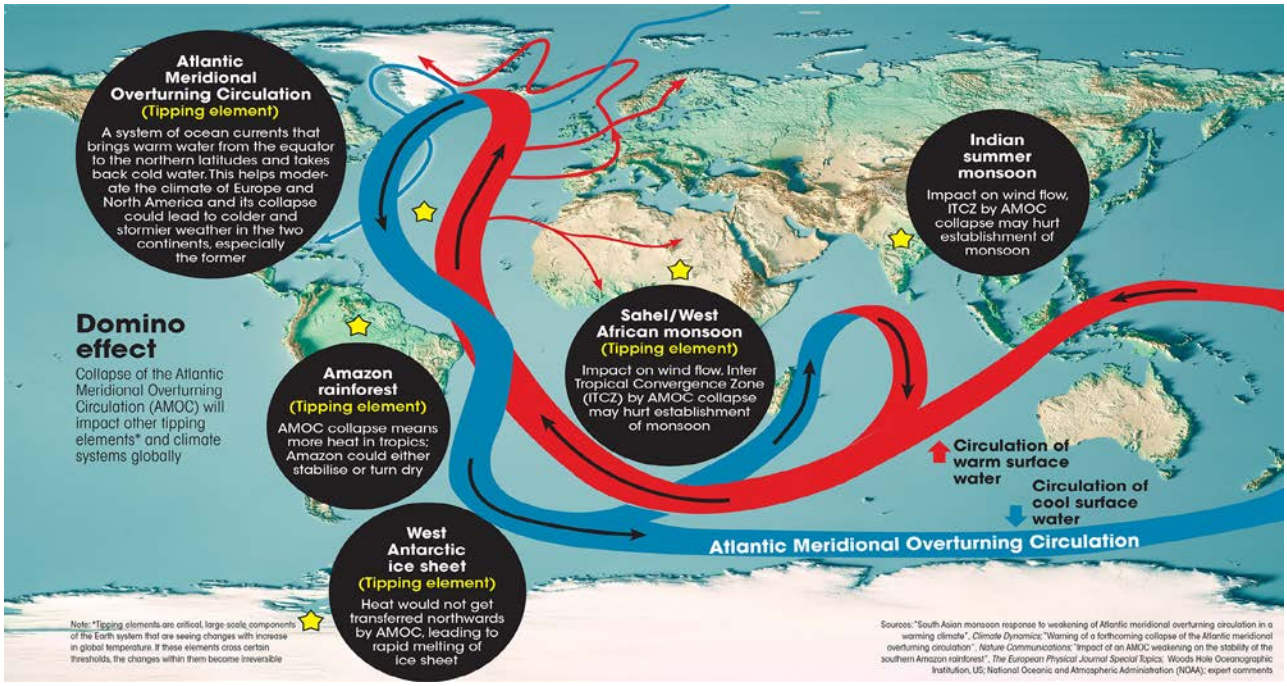

- हालिया अध्ययनों के अनुसार मानवजनित उत्सर्जन और पर्यावरणीय परिवर्तनों में वृद्धि के कारण एएमओसी पहले की तुलना में जल्द ही कमजोर हो सकता है।

➢ एएमओसी विलोपन की संभावना:

- कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों का अनुमान है, कि एएमओसी वर्ष 2025 और 2095 के बीच निपातावस्था में जा सकता है, और 2050 के दशक तक इसकी संभावना सर्वाधिक है।
- इस पतन का दुनिया भर की जलवायु प्रणालियों पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है और यह विभिन्न 16 जलवायु परिवर्तनकारी तत्वों में से पहला हो सकता है।

➢ एएमओसी के पतन के लिए अग्रणी कारक:

- बढ़ती वर्षा और ग्रीनलैंड की बर्फ का तेजी से पिघलना उत्तरी अटलांटिक महासागर में अधिक ताजा ठंडा पानी जमाकर एएमओसी के विघटन में योगदान दे रहा है।
- ताजे पानी का यह प्रवाह समुद्र की लवणता और घनत्व को कम कर रहा है, जिससे एएमओसी का ताप कन्वेयर बेल्ट तंत्र धीमा हो गया है।

➢ ऐतिहासिक संदर्भ और वर्तमान रुझान:

- ऐतिहासिक आंकड़ों से पता चलता है, कि पिछले कुछ दशकों में एएमओसी पहले ही लगभग 15% धीमा हो चुका है और 1,600 वर्षों में सबसे धीमी गति पर है।
- हाल के अध्ययनों से संकेत मिलता है, कि एएमओसी पहले की तुलना में अपने विघटन के बहुत करीब हो सकता है, यह प्रणाली पिछली सदी में अस्थिरता के संकेत को प्रदर्शित कर रही है।

➢ अनिश्चितताएँ और संभावित प्रभाव:

- कुछ अध्ययन इसी शताब्दी में एएमओसी के पतन का अनुमान लगाते हैं, साथ ही जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र अंतर सरकारी पैनल (आईपीसीसी)आदि, यह सुझाव देते हैं, कि ऐसा होने की संभावना नहीं है।
- एएमओसी के पतन से पूरे उत्तरी गोलार्ध में बड़े पैमाने पर ठंडक बढ़ सकती है, जिससे वर्षा के पैटर्न पर असर पड़ सकता है और संभावित रूप से पारिस्थितिकी तंत्र और खाद्य उत्पादन बाधित हो सकता है।
- इसके अतिरिक्त, एएमओसी में गिरावट से अन्य जलवायु प्रणालियों और बाह्य कारकों, जैसे अमेज़न वर्षावन, पश्चिमी अंटार्कटिक बर्फ की चादर और मानसून पैटर्न पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है। हालाँकि, इन प्रभावों की सटीक प्रकृति और सीमा अभी तक अनिश्चित बनी हुई है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

13 February, 2024

NEWS IN BETWEEN THE LINES

कोकबोरोक भाषा

हाल ही में, त्रिपुरा में रेल और सड़क मार्ग नाकेबंदी समाप्त हुई। इस आंदोलन को सरकार के इस आश्वासन के बाद खत्म किया गया कि 10वीं और 12वीं कक्षा की आगामी परीक्षाओं में छात्रों को कोकबोरोक भाषा का पेपर बांग्ला और रोमन लिपि दोनों में लिखने की अनुमति दी जाएगी।

कोकबोरोक भाषा के बारे में:

- कोकबोरोक को त्रिपुरी या टिप्पा कोक के नाम से भी जाना जाता है। यह एक तिब्बतो-बर्मन भाषा है जिसे त्रिपुरा और बांग्लादेश के पड़ोसी इलाकों में रहने वाले बोरोक समुदाय के लोग बोलते हैं।
- "कोक" शब्द का अर्थ "मौखिक" और "बोरोक" का अर्थ "लोग" या "इंसान" होता है।
- यह त्रिपुरा के लगभग 24 प्रतिशत लोगों की मूल भाषा है, लेकिन इसकी अपनी कोई लिपि नहीं है।
- कोकबोरोक बांग्ला के साथ त्रिपुरा की आधिकारिक भाषाओं में से एक है। इसे 1979 से त्रिपुरा की आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता दी गई है।
- इसका इतिहास कम से कम पहली शताब्दी ईस्वी तक जाता है जब त्रिपुरी राजाओं के ऐतिहासिक रिकॉर्ड को "राजरत्नाकर" नामक पुस्तक में लिखा जाना शुरू हुआ था।
- 1897 में, कोकबोरोक को लिखित रूप मिला जब मुस्लिम विद्वान दौलत अहमद ने पहला कोकबोरोक व्याकरण"कोकबोरोमा आंग त्रिपुरा - व्याकरण व्याकरण" लिखा।

प्रवासी प्रजातियों पर सम्मेलन (CMS- 14)

हाल ही में उज्बेकिस्तान के समरकंद में प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण (सीएमएस) के 14वें पार्टियों के सम्मेलन (सीओपी14) में जारी एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि मानवजनित दबावों के कारण लाखों प्रतिष्ठित प्रवासी पशु प्रजातियां खतरे में हैं।

प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण के बारे में:

- जंगली जानवरों की प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण पर कन्वेंशन (सीएमएस), जिसे बॉन कन्वेंशन के रूप में भी जाना जाता है, एक पर्यावरणीय समझौता है जिसका उद्देश्य प्रवासी प्रजातियों और उनके आवासों की रक्षा करना है।
- यह 23 जून 1979 को संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के तहत जर्मनी के बॉन में हस्ताक्षरित एक अंतर सरकारी समझौता है।
- यह एकमात्र वैश्विक सम्मेलन है जो प्रवासी प्रजातियों, उनके आवासों और प्रवास मार्गों के संरक्षण पर केंद्रित है।
- इसके दो परिशिष्ट हैं: परिशिष्ट I लुप्तप्राय प्रवासी प्रजातियों को सूचीबद्ध करता है, जबकि परिशिष्ट II प्रजातियों को 'प्रतिकूल संरक्षण स्थिति' के साथ सूचीबद्ध करता है और सीमा राज्यों को उनके संरक्षण और प्रबंधन के लिए समझौतों का मसौदा तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करता है।
- भारत 1983 में सीएमएस में शामिल हुआ और साइबेरियाई क्रेन (1998), समुद्री कछुए (2007), डुगोंग (2008) और रैप्टर्स (2016) के संरक्षण और प्रबंधन के लिए गैर-कानूनी रूप से बाध्यकारी समझौतनों पर हस्ताक्षर कर चुका है।

क्यासनूर वन रोग

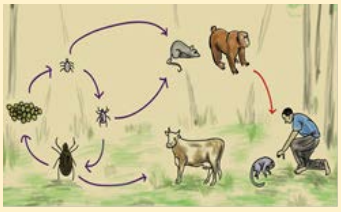

हाल ही में, कर्नाटक राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों ने क्यासनूर वन रोग (केएफडी) के प्रकोप में वृद्धि की सूचना दी है।

क्यासनूर वन रोग के बारे में:

- क्यासनूर वन रोग (केएफडी) एक वायरल रक्तस्रावी ज्वर है जो भारत के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में स्थानिक है।
- यह एक दुर्लभ जूनोटिक रोग है जो मनुष्यों और बंदरों में तीव्र ज्वरनाशक रक्तस्रावी बीमारी का कारण बनता है।
- यह संक्रमित टिक्स के काटने या संक्रमित जानवरों के संपर्क में आने से फैलता है।
- यह रोग बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, रक्तस्राव की समस्याएं और स्नायु संबंधी जटिलताओं का कारण बनता है।
- कुछ रोगियों को तीसरे सप्ताह में तंत्रिका संबंधी लक्षणों का अनुभव होता है, जिसमें गंभीर सिरदर्द और दृष्टि समस्याएं शामिल हैं।
- 1957 में इसकी पहचान तब हुई थी जब इसे भारत के कर्नाटक (पूर्व में मैसूर) राज्य के क्यासनूर वन से एक बीमार बंदर से अलग किया गया था।
- यह वायरस पश्चिमी घाटों के पूरे हिस्से में फैल गया है, जिसमें महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु और गोवा शामिल

सुर्खियों में व्यक्ति

महर्षि दयानंद सरस्वती

हाल ही में, भारत के राष्ट्रपति ने गुजरात के मोरबी में टंकारा में महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती समारोह को संबोधित किया।

महर्षि दयानंद सरस्वती (12 फरवरी 1824- 30 अक्टूबर 1883)

दार्शनिक और समाज सुधारक महर्षि दयानंद सरस्वती का जन्म गुजरात के मोरबी के टंकारा में हुआ था।

योगदान:

- महर्षि दयानंद सरस्वती ने 7 अप्रैल 1875 को बॉम्बे में वैदिक धर्म के सुधार आंदोलन, आर्य समाज की स्थापना की।
- उन्होंने ईश्वर, आत्मा और प्रकृति पर केंद्रित 10 सिद्धांतों के साथ आर्य समाज की स्थापना की।
- उन्होंने 1876 में "भारत भारतीयों के लिए" के शक्तिशाली आह्वान के साथ स्वराज का समर्थन किया।
- उन्होंने वेदों को 'भारत का युगों का शिला' मानते हुए उनसे प्रेरणा ली और "बैक टू द वेद" के नारे के साथ वैदिक सिद्धांतों की वापसी की वकालत की।
- उन्होंने व्यापक सुधारों के साथ भारतीय शिक्षा में क्रांति ला दी, जिसकी परिणति 1886 में डीएवी (दयानंद एंग्लो वैदिक) स्कूलों की स्थापना में हुई।

नैतिक मूल्य: सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, सामाजिक न्याय, समानता और सम्मान।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

सुर्खियों में स्थल

संयुक्त अरब अमीरात

हाल ही में, भारतीय प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ द्विपक्षीय वार्ता के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की दो दिवसीय यात्रा की घोषणा की।

संयुक्त अरब अमीरात (राजधानी: अबू धाबी)

अवस्थिति : संयुक्त अरब अमीरात मध्य पूर्व में, अरब प्रायद्वीप के दक्षिण-पूर्व में स्थित है।

राजनीतिक सीमाएं: यह ओमान (पूर्व), सऊदी अरब (दक्षिण और पश्चिम), फारस की खाड़ी (उत्तर) और कतर (उत्तर-पश्चिम) के साथ अपनी सीमा साझा करता है।

भौतिक विशेषताएं:

- दुबई में स्थित बुर्ज खलीफा दुनिया की सबसे ऊंची मानव निर्मित संरचना है।
- संयुक्त अरब अमीरात में प्रीकैम्ब्रियन संरचनाओं पर पैलियोज़ोइक, मेसोज़ोइक और सिनोज़ोइक तलछटी चट्टानों की मोटी परतें हैं और इस क्षेत्र में प्रचुर मात्रा में तेल और गैस संसाधन हैं।
- यूएई बेडुइन जनजातियों से बदलकर दुनिया के सबसे धनी राज्यों में से एक बन गया है, जिसका जीडीपी (पीपीपी) प्रति व्यक्ति उच्च है।
- यूएई में गर्मियों में तेज गर्मी और सर्दियों में गर्म तापमान के साथ उपोष्णकटिबंधीय-शुष्क जलवायु पाई जाती है।

POINTS TO PONDER

- AICTE द्वारा शुरू की गई 'विदेश में प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए छात्रों को सहायता' (SSPCA) योजना का मुख्य उद्देश्य क्या है? - **तकनीकी शिक्षा में भारतीय छात्रों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना**
- कौन सा संस्थान प्रतिवर्ष विश्व सतत विकास (डब्लूएसडीएस) शिखर सम्मेलन का आयोजन करता है, जो हाल ही में समाचारों में है? - **ऊर्जा और संसाधन संस्थान**
- हाल ही में किस शहर ने ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए मुफ्त बस यात्रा की घोषणा की है? - **दिल्ली**
- फारूक नाज़की अपने हालिया निधन से पहले किस पेशे से जुड़े थे? - **कवि**
- हाल ही में किलकारी कार्यक्रम, एक मोबाइल स्वास्थ्य (एम-हेल्थ) पहल, किस राज्य में शुरू की गई थी? - **गुजरात और महाराष्ट्र**